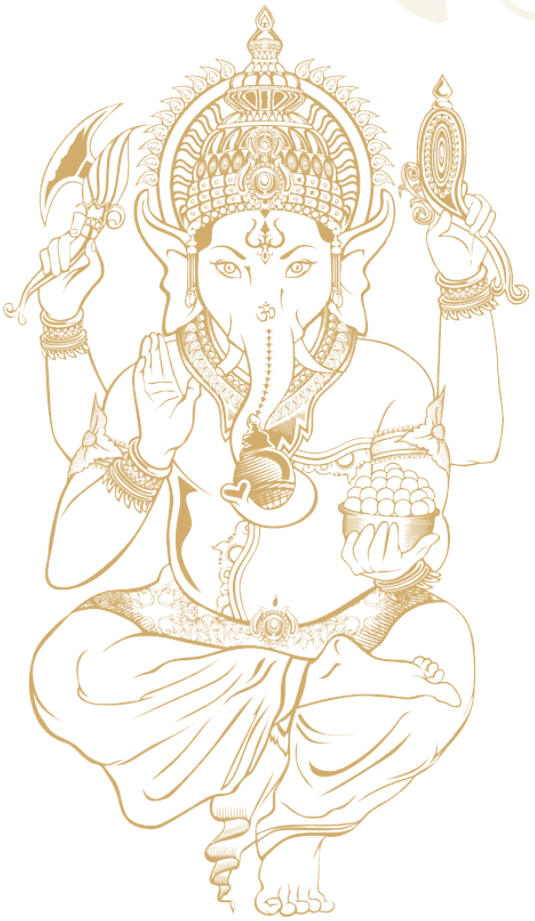

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121712204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/03/2026	जन्म तिथि	03/03/1999
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 22:31:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 40:50:20	जन्म समय(घटी)	05:34:34 घटी
India	देश	India
Buxur	स्थान	Buxur
25:35:00 उत्तर	अक्षांश	25:35:00 उत्तर
84:00:00 पूर्व	रेखांश	84:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:00	स्थानिक संस्कार	00:06:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:52	सूर्योदय	06:16:10
17:59:09	सूर्यास्त	17:56:19
24:13:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 6मा 30दि	25:10:04	तुला	लग्न	मेष	02:25:37	सूर्य 5वर्ष 4मा 22दि
गुरु	23:54:14	कुंभ	सूर्य	कुंभ	18:14:11	राहु
08/03/2026	24:30:53	तुला	चंद्र	सिंह	28:00:44	24/07/2021
07/10/2036	10:35:35	कुंभ	मंगल	तुला	16:59:29	25/07/2039
00/00/0000	21:23:18	कुंभ व	बुध	मीन	06:20:17	राहु 06/04/2024
08/03/2026	20:52:21	मिथु व	गुरु	मीन	10:15:25	गुरु 30/08/2026
बुध 13/09/2027	08:35:15	मीन	शुक्र	मीन	17:32:07	शनि 06/07/2029
केतु 19/08/2028	08:25:49	मीन	शनि	मेष	06:21:36	बुध 24/01/2032
शुक्र 20/04/2031	14:41:38	कुंभ व	राहु व	कर्क	28:16:11	केतु 10/02/2033
सूर्य 06/02/2032	14:41:38	सिंह व	केतु व	मक	28:16:11	शुक्र 11/02/2036
चन्द्र 07/06/2033	03:41:52	वृष	हर्ष	मक	20:33:49	सूर्य 05/01/2037
मंगल 14/05/2034	07:06:03	मीन	नेप	मक	09:26:01	चन्द्र 06/07/2038
राहु 07/10/2036	10:30:31	मक	प्लूटो	वृश्चि	16:37:15	मंगल 25/07/2039

लग्न-चलित

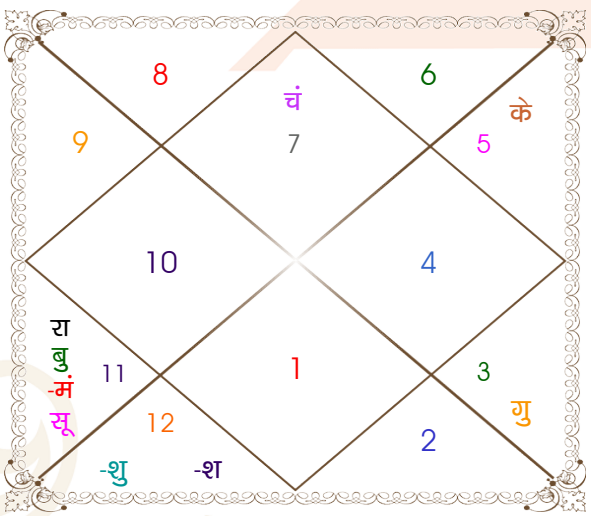

लग्न-चलित

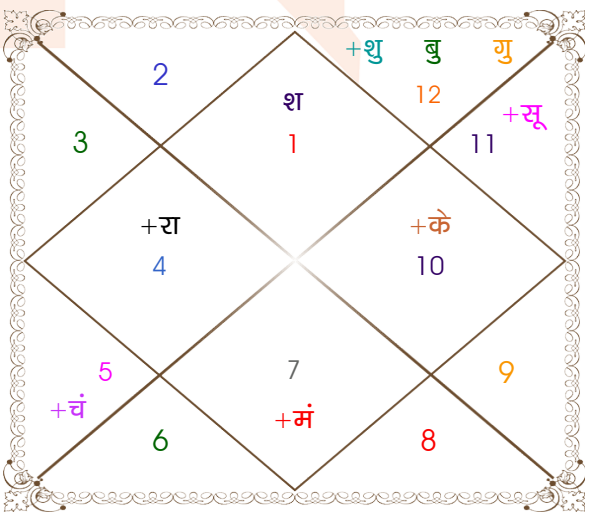

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।